Literacy for a Billion

Movie: Prince
Year: 1969

Song: Mukabala Humse
Lyricist: Farooq Qaiser, Hasrat

मुकाबला हम से ना करो
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में
मुकाबला हम से ना करो
मुकाबला हम से ना करो
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में
मुकाबला हम से ना करो
मुकाबला हम से ना करो
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में

हमारे सामने किसका चराग जलता है
हमारे सामने किसका चराग जलता है
हमारे सामने सूरज भी हाथ मलता है
हमारे सामने सूरज भी हाथ मलता है
हमारे सामने जलवे भी सिर झुकाते हैं
ये हुस्नवालें हमीं से तो हार जाते हैं

मुकाबला हम से ना करो

मुकाबला हम से ना करो
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में

हमें ना छेड़ो के हम तो है नाज़ के पाले
हमें ना छेड़ो के हम तो है नाज़ के पाले
तुम्हारे जैसे बहुत देखे चाहनेवाले
तुम्हारे जैसे बहुत देखे चाहनेवाले
ये मेरे प्यार का दावा है इंतकाम नहीं
तुम्हें अपना ना बनाया तो मेरा नाम नहीं

मुकाबला हम से ना करो
मुकाबला हम से ना करो
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में

मुकाबला हम से ना करो
मुकाबला हम से ना करो
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में
हम तुम्हें अपने रंग में
रंग डालेंगे एक ही पल में

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.